



IMPORTANT NOTICE – TERMS & CONDITIONS OF SALE AND USE: By noticing and using these seeds, you agree to the following terms. If you do not accept, return the unopened package with proof of purchase for a full refund. This product is licensed for planting only in approved regions. The resulting crop may only be used for food, feed, or processing. **RISK OF NON-PERFORMANCE:** Seed performance may be affected by factors beyond RENO Agrigenetics Private Limited (RENO) control (e.g., weather, pests, diseases, soil, planting practices). The buyer assumes all such risks. **LIMITATION OF WARRANTIES & LIABILITY:** RENO warrants only that the seed matches the label description within legal tolerances. No other warranties (express or implied) are given. RENO is not liable for incidental or consequential damages. Remedies are limited to seed replacement or refund, at RENO's discretion. Claims must be reported within 30 days of discovery or before harvest, whichever is earlier, and submitted directly to RENO. Terms may only be changed in writing by RENO's authorized representative.

PRODUCED BY: RENO AGRIGENETICS PVT. LTD.,
102, Akik Complex, S.G. Highway, Bodakdev, Ahmedabad-380015, Gujarat. GST No. 24AAECR6292A1ZL Phone: +91-98257 51649. Website: <https://www.renoagrigenetics.com/home>

CUMIN: PACKAGE OF AGRONOMIC PRACTICES

1. AGRO-CLIMATIC REQUIREMENTS AND SOIL PREPARATION

Climate: Thrives in moderately cool, dry climates (20–30°C). High humidity during flowering/fruiting increases disease risk. Frost and heavy rains are detrimental. **Soil:** Prefers sandy loam to medium-heavy, well-drained soils rich in organic matter. Avoid waterlogged or saline soils.

Preparation: Plough 2–3 times to achieve fine tilth. Incorporate 10–15 MT FYM/ha during land preparation. Level fields and create 4x3 m beds for efficient irrigation.

2. SEED SOWING

Season: Mid-October to mid-November (Rabi season). **Seed Rate:** 12–16 kg/ha (treated with *Trichoderma* or fungicides like Bavistin).

Sowing Method: Line sowing (20–25 cm row spacing) preferred over broadcasting for better germination. **Depth:** 1.5–2 cm (deeper sowing delays germination).

3. NUTRIENT MANAGEMENT

Basal Dose: 15–20 MT FYM/ha + 15 kg N/ha + 15 kg P₂O₅/ha. **Top Dressing:** 15 kg N/ha at 30–40 days after sowing (DAS). **Integrated Approach:** Combine organic (vermicompost, castor cake) and inorganic fertilizers for higher yields.

4. IRRIGATION

Initial: Light irrigation immediately after sowing and 7–10 days later. **Critical Stages:** Avoid irrigation during flowering and seed filling to prevent blight and mildew.

Frequency: 4–5 irrigations total, depending on soil moisture.

5. WEED MANAGEMENT

Chemical: Apply oxadiargyl 0.06 kg/ha (pre-emergence) followed by 2 hand weeding at 40 & 60 DAS. **Manual:** 2–3 weeding (first at 20–25 DAS).

Mulching: Reduces weed growth and conserves moisture.

6. INTEGRATED PEST MANAGEMENT (IPM)

Major Pests/Diseases: Aphids/Thrips: Monitor with yellow sticky traps; spray neem oil or thiamethoxam. **Alternaria Blight/Powdery Mildew:** Apply *Nativo* fungicide or kresoxim-methyl.

Biological Controls: Release *Trichogramma* wasps for pest eggs. Use bioagents like *Trichoderma* for soil-borne diseases.

7. HARVESTING AND POST-HARVEST MANAGEMENT

Harvesting: 100–120 DAS when plants turn brown. Cut at ground level and sun-dry for 5–7 days. Thresh using sticks or mechanical threshers. **Post-Harvest:** Clean seeds with gravity separators. Grade and store in disinfected gunny bags in cool, dry conditions.

Important Note: Adjustments may be needed based on local soil tests or climatic conditions.

PRODUCED BY: RENO AGRIGENETICS PVT. LTD.,
102, Akik Complex, S.G. Highway, Bodakdev, Ahmedabad-380015, Gujarat. GST No. 24AAECR6292A1ZL Phone: +91-98257 51649. Website: <https://www.renoagrigenetics.com/home>

जीरा: कृषि पद्धतियों का पैकेज

1. कृषि-जलवायु आवश्यकताएँ और मिट्टी की तैयारी

जलवायु: मध्यम ठंडी, शुष्क जलवायु (20–30°C) में अच्छी तरह पनपता है। फूल आने और फल लगने के दौरान अधिक आर्द्रता से रोग का खतरा बढ़ जाता है। पाला और भारी बारिश हानिकारक होती है।

मिट्टी: जैविक पदार्थ से भरपूर, अच्छी जल निकासी वाली रेतीली दोमट से मध्यम-भारी मिट्टी को प्राथमिकता देता है। जलभराव वाली या लवणीय मिट्टी से बचें।

तैयारी: अच्छी भुरभुरी मिट्टी तैयार करने के लिए 2-3 बार जुताई करें। भूमि की तैयारी के दौरान 10-15 मीट्रिक टन गोबर की खाद (FYM)/हेक्टेयर मिलाएं। कुशल सिंचाई के लिए खेतों को समतल करें और 4x3 मीटर की क्यारियाँ बनाएं।

2. बीज बुवाई

मौसम: मध्य अक्टूबर से मध्य नवंबर (रबी मौसम)। **बीज दर:** 12-16 किग्रा/हेक्टेयर (ट्राइकोडर्मा या बाविस्टिन जैसे फफूंदनाशकों से उपचारित)। **बुवाई विधि:** बेहतर अंकुरण के लिए छिटकवाँ विधि की तुलना में कतार बुवाई (पंक्तियों के बीच 20-25 सेमी की दूरी) बेहतर है। गहराई: 1.5-2 सेमी (गहरी बुवाई से अंकुरण में देरी होती है)।

3. पोषक तत्व प्रबंधन

आधार खुराक: 15-20 मीट्रिक टन गोबर की खाद/हेक्टेयर + 15 किग्रा नाइट्रोजन (N)/हेक्टेयर + 15 किग्रा फॉस्फोरस (P₂O₅)/हेक्टेयर। **टॉप ड्रेसिंग (ऊपर से खाद देना):** बुवाई के 30-40 दिन बाद (DAS) 15 किग्रा नाइट्रोजन (N)/हेक्टेयर। **एकीकृत दृष्टिकोण:** उच्च पैदावार के लिए जैविक (वर्मीकम्पोस्ट, अरंडी की खली) और अकार्बनिक उर्वरकों को मिलाएं।

4. सिंचाई

प्रारंभिक: बुवाई के तुरंत बाद और 7-10 दिन बाद हल्की सिंचाई करें। **महत्वपूर्ण चरण:** झुलसा और फफूंदी (मिल्ड्यू) को रोकने के लिए फूल आने और बीज भरने के दौरान सिंचाई से बचें। **आवृत्ति:** मिट्टी की नमी के आधार पर कुल 4-5 सिंचाई करें।

5. खरपतवार प्रबंधन

रासायनिक: ऑक्सोडायरगिल 0.06 किग्रा/हेक्टेयर (अंकुरण-पूर्व) डालें, इसके बाद 40 और 60 DAS पर 2 बार हाथ से निराई करें।

हाथ से निराई: 2-3 निराई करें (पहली 20-25 DAS पर)।

मल्लिचिंग (पलवार): खरपतवार की वृद्धि कम करता है और नमी का संरक्षण करता है।

6. एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम)

प्रमुख कीट/रोग: माहू (एफिड्स)/थ्रिप्स: पीले चिपचिपे ट्रैप से निगरानी करें; नीम का तेल या थायामेथोक्सम का छिड़काव करें। अल्टरनेरिया झुलसा/चूर्णिल आसिता (पाउडरी मिल्ड्यू): नेटिवो फफूंदनाशक या क्रेक्सिम-मिथाइल का प्रयोग करें।

जैविक नियंत्रण: कीट के अंडों के लिए ट्राइकोग्रामा तैयार खोजें। मिट्टी जनित रोगों के लिए ट्राइकोडर्मा जैसे जैव-एजेंटों का उपयोग करें।

7. कटाई और कटाई उपरांत प्रबंधन

कटाई: 100-120 DAS जब पौधे भूरे हो जाएँ। ज़मीन के स्तर पर काटें और 5-7 दिनों तक धूप में सुखाएं। डंडों या यांत्रिक ग्रेशर का उपयोग करके गहाई करें।

कटाई उपरांत: ग्रेविटी सेपरेटर (गुरुत्वाकर्षण पृथक्कारक) से बीजों को साफ करें। ग्रेडिंग करें और कीटाणुरहित बोरीयों में ठंडी, सूखी परिस्थितियों में भंडारण करें।

जुलः कृषि पद्धतियों का पैकेज

१. कृषि-आबोहवाकीय जलवायु और तैयारी

आबोहवा: मध्यम ठंडी, सूखी आबोहवा (20–30°C तापमान) सारी शीत ऋतु में। फूल आने और फल लगने के दौरान अधिक आर्द्रता से रोग का खतरा बढ़ जाता है। पाला और भारी बारिश हानिकारक होती है।

तैयारी: अच्छी भुरभुरी मिट्टी तैयार करने के लिए 2-3 बार जुताई करें। भूमि की तैयारी के दौरान 10-15 मीट्रिक टन गोबर की खाद (FYM)/हेक्टेयर मिलाएं। कुशल सिंचाई के लिए खेतों को समतल करें और 4x3 मीटर की क्यारियाँ बनाएं।

२. बीज वावशी

मध्यम: मध्य अक्टूबर से मध्य नवंबर (रवि ऋतु)। **बीज दर:** 12-16 किग्रा/हेक्टेयर (ट्राइकोडर्मा या बाविस्टिन जैसे फफूंदनाशकों से उपचारित)। **बुवाई विधि:** बेहतर अंकुरण के लिए छिटकवाँ विधि की तुलना में कतार बुवाई (पंक्तियों के बीच 20-25 सेमी की दूरी) बेहतर है। गहराई: 1.5-2 सेमी (गहरी बुवाई से अंकुरण में देरी होती है)।

३. पोषक तत्व प्रबंधन

पायांनु पातर (Basal Dose): 15-20 मीट्रिक टन गोबर की खाद/हेक्टेयर + 15 किग्रा नाइट्रोजन (N)/हेक्टेयर + 15 किग्रा फॉस्फोरस (P₂O₅)/हेक्टेयर। **टॉप ड्रेसिंग (ऊपर से खाद देना):** बुवाई के 30-40 दिन बाद (DAS) 15 किग्रा नाइट्रोजन (N)/हेक्टेयर। **एकीकृत दृष्टिकोण:** उच्च पैदावार के लिए जैविक (वर्मीकम्पोस्ट, अरंडी की खली) और अकार्बनिक उर्वरकों को मिलाएं।

४. सिंचाई (पियत)

प्रारंभिक: बुवाई के तुरंत बाद और 7-10 दिन बाद हल्की सिंचाई करें। **महत्वपूर्ण चरण:** झुलसा और फफूंदी (मिल्ड्यू) को रोकने के लिए फूल आने और बीज भरने के दौरान सिंचाई से बचें। **आवृत्ति:** मिट्टी की नमी के आधार पर कुल 4-5 सिंचाई करें।

५. निंदामण व्यवस्थापन

रासायनिक: ऑक्सोडायरगिल 0.06 किग्रा/हेक्टेयर (अंकुरण-पूर्व) डालें, इसके बाद 40 और 60 DAS पर 2 बार हाथ से निराई करें। **हाथ से निराई:** 2-3 निराई करें (पहली 20-25 DAS पर)। **मल्लिचिंग (पलवार):** खरपतवार की वृद्धि कम करता है और नमी का संरक्षण करता है।

६. संकलित जलवायु व्यवस्थापन (IPM)

मुख्य जलवायु/रोगों: मोलामशी (Aphids)/थ्रिप्स (Thrips): पीले चिपचिपे ट्रैप से निगरानी करें; नीम का तेल या थायामेथोक्सम का छिड़काव करें। **अल्टरनेरिया झुलसा (Alternaria Blight)/पूडरी धारो (Powdery Mildew):** नेटिवो फफूंदनाशक (Nativo fungicide) अथवा क्रेक्सिम-मिथाइल (kresoxim-methyl) का प्रयोग करें। **जैविक नियंत्रण:** जलवायु/रोगों के अंडों के लिए ट्राइकोग्रामा तैयार खोजें। मिट्टी जनित रोगों के लिए ट्राइकोडर्मा जैसे जैव-एजेंटों का उपयोग करें।

कटाई और कटाई उपरांत प्रबंधन: कटाई 100-120 DAS जब पौधे भूरे हो जाएँ। ज़मीन के स्तर पर काटें और 5-7 दिनों तक धूप में सुखाएं। डंडों या यांत्रिक ग्रेशर का उपयोग करके गहाई करें।

कटाई उपरांत: ग्रेविटी सेपरेटर (गुरुत्वाकर्षण पृथक्कारक) से बीजों को साफ करें। ग्रेडिंग करें और कीटाणुरहित बोरीयों में ठंडी, सूखी परिस्थितियों में भंडारण करें।

— **महत्वपूर्ण नोट:** स्थानिक जमीन परीक्षाओं अथवा आबोहवाकीय परिस्थितियों आधारित गोंडवाणी जलवायु को ध्यान में रखें।



RENO AGRIGENETICS PVT. LTD.

Office: 102, Akik Complex, S.G. Highway, Bodakdev,
Ahmedabad-380015, Gujarat, India. Mo. 98257 51649,
Email : renoagrigenetics@gmail.com
Web: www.renoagrigenetics.com
Factory: Survey No. 455 /P6/P2, Plot No. 1-2-3, Behind Auro School,
Gundala Road, GONDAL-360 311, Dist. Rajkot(Gujarat)